

पीएम मोदी ने की ताबड़तोड़ बैठकें, पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर रणनीति पर चर्चा

अखिलेश ने किया दावा: यूपी में जो लोकसभा जीतता है प्रदेश में बनती है उसी की सरकार, 2027 में नहीं चलेगा हथकंडा

22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पहली बार बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को सुबह 11 बजे बैठक बुलाई गई है। पिछले सप्ताह केंद्रीय मंत्रिमंडल की कोई बैठक नहीं हुई थी और केवल सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) की 23 अप्रैल को बैठक हुई थी और उसने आतंकी हमले की निंदा की थी। कांग्रेस ने बुधवार को 2008 में मुंबई हमलों के दो दिन बाद गुजरात के सीएम के तौर पर नरेंद्र मोदी

संक्षिप्त समाचार

मणिपुर में शांति लाने के लिए लोकप्रिय सरकार बनाने की अपील, 21 विधायकों ने अमित शाह को लिखा पत्र

केंद्र ने 13 फरवरी को मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू किया था, जहां मई 2023 से मैतेई और कुकी-जो समूहों के बीच जातीय हिंसा में 250 से अधिक लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। मणिपुर में एक बार फिर से सरकार गठन की कवायदें शुरू करने की अपील की गई है। 21 विधायकों ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है। पत्र में उनसे पूर्वोत्तर राज्य में शांति और सामान्य स्थिति सुनिश्चित करने के लिए %लोकप्रिय सरकार% बनाने का आग्रह किया गया है। राज्य में अभी राष्ट्रपति शासन है। केंद्र ने 13 फरवरी को मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू किया था, जहां मई 2023 से मैतेई और कुकी-जो समूहों के बीच जातीय हिंसा में 250 से अधिक लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। मुख्यमंत्री एन. बोरैन सिंह के इस्तीफा देने के बाद राष्ट्रपति शासन लगाया गया था। राज्य विधानसभा का कार्यकाल 2027 तक है। इसे पहले ही निलंबित कर दिया गया था। पत्र पर भाजपा के 13, एनपीपी-नगा पीपुल्स फ्रंट के तीन-तीन और विधानसभा के दो स्वतंत्र सदस्यों के हस्ताक्षर हैं। %राज्य में फिर से हिंसा हो सकती है% इसमें कहा गया है, %मणिपुर के लोगों ने राष्ट्रपति शासन का स्वागत किया है। उन्होंने बहुत उम्मीद और अपेक्षा के साथ ऐसा किया।



के मीडिया संबोधन को लेकर भाजपा पर निशाना साधा। पार्टी ने इस बात पर जोर दिया कि हमें इस सबसे संवेदनशील समय में एकजुट होना चाहिए। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि मुंबई में घातक आतंकवादी हमले शुरू होने के दो दिन बाद 28 नवंबर, 2008 को भाजपा ने क्या किया? एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए तत्कालीन गुजरात के मुख्यमंत्री मुंबई गए और मीडिया को संबोधित किया। आइए हम इस सबसे संवेदनशील समय में एकजुट हों। देश इंतजार कर रहा है। रमेश ने भाजपा के 2008 के विज्ञापन को भी साझा किया। सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड का पुनर्गठन किया है। पूर्व रॉ प्रमुख आलोक जोशी को इसका अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। पूर्व पश्चिमी एयर कमांडर एयर मार्शल पीएम सिन्हा, पूर्व

दक्षिणी सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल एके सिंह और रियर एडमिरल मोंटी खन्ना सैन्य सेवाओं से सेवानिवृत्त अधिकारी हैं। राजीव रंजन वर्मा और मनमोहन सिंह भारतीय पुलिस सेवा से सेवानिवृत्त दो सदस्य हैं। सात सदस्यीय बोर्ड में बी वेंकटेश वर्मा सेवानिवृत्त आईएफएस है। घातक पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर सुरक्षा पर कैबिनेट समिति (सीसीएस) की बैठक बुलाई। इसके बाद राजनीतिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीपीए), आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) की बैठक हुई। एक पूर्ण कैबिनेट की बैठक भी होगी, जिसकी विस्तृत जानकारी दोपहर तीन बजे के बाद दी जाएगी। पहलगाम हमलों के बाद दूसरी बार बुलाई गई सीसीएस पहलगाम की घटना के मद्देनजर सुरक्षा तैयारियों पर चर्चा हुई। सुरक्षा

(सीसीएस) की पिछली बैठक 23 अप्रैल को हुई थी और पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई थी, जिसमें 25 भारतीय और एक नेपाली नागरिक मारे गए थे। सीसीएस ने हमले की कड़े शब्दों में निंदा की और पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की आशा व्यक्त की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजनीतिक मामलों की कैबिनेट समिति या CCPA की एक महत्वपूर्ण बैठक कर रहे हैं। कैबिनेट की सबसे महत्वपूर्ण समिति जिसे %सुपर कैबिनेट% भी कहा जाता है। यह सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक के ठीक बाद हो रही है, जो पिछले हफ्ते कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों की नृशंस हत्या के बाद दूसरी बैठक है। प्रधानमंत्री मोदी के आवास पर एक अहम बैठक हुई। इसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत

कई लोग शामिल हुए। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बुधवार को कहा कि संसदीय मामलों की कैबिनेट समिति पहलगाम आतंकी हमले को लेकर संसद के विशेष सत्र के लिए कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों की मांग पर फैसला करेगी। संसदीय मामलों के विभाग में राज्य मंत्री और कानून मंत्रालय में स्वतंत्र प्रभार संधालने वाले मेघवाल ने संवाददाताओं से कहा कि सीसीपीए का फैसला, जो सत्र बुलाने पर फैसला करता है, उसके बाद ही बताया जाएगा। केंद्रीय मंत्रिमंडल की बुधवार को बैठक हो रही है। कांग्रेस के मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी समेत कई विपक्षी नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद सामूहिक संकल्प पेश करने के लिए संसद का सत्र बुलाने की मांग की है। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें से अधिकतर पर्यटक थे।

अखिलेश ने किया दावा: यूपी में जो लोकसभा जीतता है प्रदेश में बनती है उसी की सरकार, 2027 में नहीं चलेगा हथकंडा

राज करो की नीति पर कार्य करता है। अखिलेश यादव ने कहा कि 2017 से पहले जिनकी अपनी कोई पहचान नहीं थी, वही लोग उत्तर प्रदेश को बदनाम करने के लिए कहते हैं कि यूपी की 2017 से पहले कोई पहचान नहीं थी। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार सपनों में भी एक्सप्रेसवे बनाती है। बड़ी-बड़ी होर्डिंग लगाकर प्रचार किया कि प्रदेश में 17 एक्सप्रेसवे बन रहे हैं। जब हमने गिनती कर सवाल उठाया तो सरकार कह रही है कि 6 एक्सप्रेसवे बन गए। 7 प्रस्तावित हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार में सपा के सांसद रामजीलाल सुमन और दलित भाइयों के साथ बड़ा अन्याय हो रहा है। जल जीवन मिशन में भ्रष्टाचार है। पहलगाम पर कहा कि सवाल यह है कि इस मामले में लापरवाही किसकी है। सरकार ने सुरक्षा क्यों नहीं दी। साथ ही कहा कि भाजपा सरकार शिक्षा और कृषि क्षेत्र पर काम नहीं कर रही है।

भेदभाव के तरीके अपनाए। इनके सब हथकंडे अब जनता जान चुकी है। समाजवादी पार्टी लोकसभा चुनाव में भाजपा को हरा चुकी है। एक कार्यक्रम में अखिलेश ने कहा कि यूपी में इंडिया गठबंधन मजबूत है। समाजवादी पार्टी गठबंधन सहयोगियों को साथ लेकर चलेगी। इंडिया गठबंधन में जो पार्टी जिस राज्य में मजबूत होगी, उसी के नेतृत्व में चुनाव लड़ा जाएगा। यही गठबंधन बनने का आधार था। समाजवादियों की लड़ाई भाजपा और उसकी उस विचारधारा वाले संगठन से है, जो अंग्रेजों की तरह फूट डालो-

आंबेडकर की तस्वीर मामले में मेघवाल ने अखिलेश को घेरा, बोले- भ्रम में जी रहे हैं सपा प्रमुख

केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने समाजवादी पार्टी के पोस्टर में बाबा साहब डॉ भीमराव आंबेडकर जी और अखिलेश यादव का एक साथ मिला पोस्ट करने पर तीखा हमला किया है। उन्होंने कहा कि ये तस्वीर



भीमराव आंबेडकर का अपमान है। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बुधवार को समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर डॉ. भीमराव आंबेडकर के साथ अपनी तस्वीर साझा करने को लेकर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के पोस्टर में बाबा साहब डॉ भीमराव आंबेडकर जी और अखिलेश यादव का मिला चेहरा दिखाना उनका घोर अपमान है। मेघवाल ने आगे कहा कि अखिलेश भूल रहे हैं कि बाबा साहब को 1952 और 1953 में हराने में कांग्रेस की ही भूमिका थी, और आज वे उसी कांग्रेस के साथ होकर ऐसा निंदनीय कृत्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ओबीसी आरक्षण के ये कथित समर्थक भूल जाते हैं कि राजीव गांधी ने लोकसभा में ओबीसी आरक्षण का खुलकर विरोध किया। अखिलेश यादव पर साधा निशाना पत्रकारों से बातचीत के दौरान

मेघवाल ने आगे कहा कि अगर अखिलेश यादव को लगता है कि यह तस्वीर उन्हें दलितों का वोट दिलाएगी तो वे भ्रम में हैं। उन्होंने यह भी कहा कि समाजवादी पार्टी अब कांग्रेस के साथ मिलकर काम कर रही है, जो आंबेडकर को दो चुनावों में हराती रही है और जो पिछड़ा वर्ग के आरक्षण का विरोध करती थी। मेघवाल ने अखिलेश यादव पर लगाए आरोप- इसके साथ ही मेघवाल ने आगे यह भी आरोप लगाया कि जब अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने अनुसूचित जाति के इंजीनियरों की पदोन्नति के खिलाफ कदम उठाए थे, और एक समाजवादी पार्टी के सांसद ने पदोन्नति में आरक्षण देने वाले विधेयक को फाड़ दिया था। इसके अलावा, मेघवाल ने कांग्रेस द्वारा अपने नेताओं को पहलगाम आतंकी हमले पर पार्टी लाइन पर चलने का निर्देश देने को दोहरी बात बताया।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड का पुनर्गठन: पूर्व रक्षा प्रमुख अध्यक्ष बने, पाकिस्तान से तनाव के बीच बड़ा फैसला

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से मोदी सरकार ताबड़तोड़ फैसले ले रही है। आतंकवाद के पनाहगार पाकिस्तान के खिलाफ सख्त प्रतिबंधों के अलावा जवाबी पलटवार की भी तैयारी कर रहा है। इस बीच पाकिस्तान लगातार कश्मीर घाटी में नियंत्रण रेखा पर बिना उकसावे के गोलीबारी करके संघर्ष विराम का उल्लंघन कर रहा है। हमारी सेना भी उसका उचित जवाब दे रही है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार की रणनीतिक बैठकों के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड बड़ा फेरबदल किया गया है। सरकार की ओर से पुनर्गठित राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड में सात सदस्य होंगे। बोर्ड में तीनों सेनाओं के सेवानिवृत्त अधिकारी होंगे। सरकार की ओर से पूर्व रॉ प्रमुख आलोक जोशी को इसका अध्यक्ष नियुक्त



किया गया है। बोर्ड में पूर्व पश्चिमी एयर कमांडर एयर मार्शल पीएम सिन्हा, पूर्व दक्षिणी सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल एके सिंह और रियर एडमिरल मोंटी खन्ना सैन्य सेवाओं से सेवानिवृत्त अधिकारी भी हैं। राजीव रंजन वर्मा और मनमोहन सिंह भारतीय पुलिस सेवा से सेवानिवृत्त दो सदस्य भी बोर्ड में हैं। सात सदस्यीय बोर्ड में बी वेंकटेश वर्मा सेवानिवृत्त आईएफएस हैं। बुधवार को

पीएम मोदी ने की ताबड़तोड़ बैठकें इससे पहले पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर सुरक्षा पर कैबिनेट समिति (सीसीएस) की बैठक बुलाई। इसके बाद राजनीतिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीपीए), आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) की बैठक हुई। ताबड़तोड़ बैठकों के बाद एक पूर्ण कैबिनेट की बैठक भी हुई।

सुरक्षा तैयारियों पर चर्चा हुई पहलगाम हमलों के बाद दूसरी बार बुलाई गई सीसीएस पहलगाम की घटना के मद्देनजर सुरक्षा तैयारियों पर चर्चा हुई। सुरक्षा पर कैबिनेट समिति (सीसीएस) की पिछली बैठक 23 अप्रैल को हुई थी और पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई थी। हमले में 25 भारतीय और एक नेपाली नागरिक की आतंकियों ने निर्मम हत्या कर दी थी। सीसीएस ने हमले की कड़े शब्दों में निंदा की थी और पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की थी। सीसीएस ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की थी। प्रधानमंत्री की सेना को खुली छूट- इससे पहले मंगलवार को प्रधानमंत्री मोदी ने देश के शीर्ष रक्षा अधिकारियों के साथ बैठक की

थी, जिसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और तीनों सेनाओं के प्रमुख शामिल हुए थे। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान भी इस बैठक का हिस्सा थे। बैठक करीब डेढ़ घंटे तक चली थी। बैठक उस समय हुई, जब दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत जवाबी कार्रवाई के विकल्पों पर विचार कर रहा है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, बैठक में प्रधानमंत्री ने कहा कि आतंकवाद पर करारी चोट करना हमारा राष्ट्रीय संकल्प है। पीएम मोदी ने सशस्त्र बलों की पेशेवर क्षमताओं पर पूरा विश्वास और भरोसा जताया। प्रधानमंत्री ने कहा, उन्हें (सशस्त्र बलों को) हमारी प्रतिक्रिया के तरीके, लक्ष्य और समय तय करने की पूरी स्वतंत्रता है।

संपादकीय Editorial

This is not the time for questions

The most important and foremost thing is the nation. The Prime Minister, the Leader of the Opposition, MPs, political parties and the average citizen of the country are all part of it. If the nation exists, then everyone exists. The Pahalgam massacre was an attack on the soul, existence and sovereignty of our India. It cannot be forgotten at all. India cannot be attacked by dividing it into Hindus and Muslims. We will not tolerate such an attack, because all communities are united on the question of the nation. An all-party meeting was called after the massacre. Questions must have been raised in it, so the Modi government also accepted the intelligence-security lapse. Those leaders who appear to be of the fundamentalist type are also with the government today and are supporting any decision of Prime Minister Modi. A sensitive issue like Waqf has been put in the background. At present, the focus is on terrorism and it has to be taught a lesson. The Prime Minister has shared his pain and anger with the families of the victims of the massacre through 'Mann Ki Baat'. Once again those families have been assured that they will definitely get justice. The culprits and conspirators of the attack will definitely be given the harshest reply. The Prime Minister realizes that every Indian's blood is boiling after seeing the pictures of the terrorist attack. This assurance of Prime Minister Modi should be trusted. Immediately after the attack, terrorists and their masters cannot be attacked as a retaliatory strike. This is also a part of diplomatic and strategic strategy. Rounds of meetings and intensive investigation are going on from Delhi to Kashmir. ISRO has also been included in the investigation. The houses of 10 terrorists have been razed to the ground. Explosives have also been found in some houses. About 2000 suspects have been detained and interrogation is going on. The chiefs of the three armies and the Chief of Defense Staff have met Defense Minister Rajnath Singh. There was a 40-minute meeting between Prime Minister Modi and Defense Minister Rajnath Singh. It is obvious that there must have been a discussion on the formats of attack on Pakistan! Heads of state, presidents, prime ministers etc. of 40-45 countries of the world have talked to Prime Minister Modi over the phone and have given full support to India against terrorism. Major Muslim countries are also standing with India. Countries like China, Turkey have also not publicly supported Pakistan. They know the nature and reality of Pakistan. Can't some opposition parties see these activities? This is not the time for questions, but to appear united as a nation. The Prime Minister's inability to attend the all-party meeting is not a fundamental question. The Defence Minister and Home Minister were present in the meeting, who are fully responsible for security and intelligence related questions. Was their presence not important? This is not the time to repeatedly question the alleged 300 kg RDX explosive used in the Pulwama terror attack of February 2019. This is also not the time to question the BJP giving a ticket to an alleged terrorist. This is also not the time to count terrorist attacks. The incident is of 1984, so terming the assassination of then Prime Minister Indira Gandhi in her official residence as the most important security lapse is neither relevant nor appropriate today. This is the time to think about the possibilities of war and prepare a strategy. According to an international research report, if a full-fledged war breaks out between India and Pakistan, India's loss will be 0.65 percent and Pakistan's loss will be 0.95 percent. It may take 7.5 years for India and about 10 years for Pakistan to compensate for the cost and impact of the war. This does not include the losses and impact of a nuclear war.

Pakistan defames Islam, attacks the principles of Islam too

The terrorist attack in Pahalgam has once again exposed the evil intentions of Pakistan. In this attack, the terrorists asked people about their religious identity and those who could not recite the Kalma were ruthlessly killed. This incident was a conspiracy to break the unity of India but the people of the country have stood united against terrorism. The barbaric terrorist attack on tourists in Pahalgam, Jammu and Kashmir, recently reminded us of the attack by a terrorist organization called Al Shabab in a shopping mall in Nairobi, Kenya, about a decade ago. In that attack, the terrorists killed all those who could not recite the Kalma. The terrorists showed the same barbarity in Pahalgam too. They asked people about their religious identity, asked them to recite the Kalma and even made some people remove their clothes to confirm their identity. Those who claimed to be Hindus or could not recite the Kalma were ruthlessly shot in front of their wives and children. A Hindu professor from Assam was saved because he recited the Kalma. The terrorists carried out the terrorist incident in Pahalgam with the aim of establishing a pure Jihadi narrative. The incident in Pahalgam should be seen in the context of the recent speech of Pakistani Army Chief Asim Munir, in which he described Muslims as different from Hindus. The way he said that our thoughts, beliefs, culture etc. are all different, he expressed his hatred towards Hindus and India. In the same speech, he described Kashmir as the navel of Pakistan. Within a week of this hate speech, a terrorist attack took place in Pahalgam. This cannot be a coincidence. This automatically exposes the evil face of Pakistan. The terrorist incident in Pahalgam was carried out because assembly elections were held peacefully in Jammu and Kashmir, in which a large number of people participated. After the removal of Article 370, the situation in Jammu and Kashmir was becoming normal. Due to this, a large number of tourists were reaching there. For the last three years, the number of tourists was continuously increasing there. The Kashmiri people were also benefiting from this. Obviously, Pakistan was not liking this. It should also be noted that the Pakistani army is troubled by the internal problems of its country and is becoming unpopular. Imran Khan's supporters abuse it. Asim Munir is their target. Recently, the Pakistani army was greatly embarrassed by the hijacking of a Pakistani train by Baloch fighters. Its two-nation view has also collapsed. In Pakistan, Sindhis, Pashtuns, etc. consider the Pakistani army as terrorists. There are slogans that 'this terrorism is behind the uniform.' There are reasonable reasons to believe that the Pakistani army conspired for the Pahalgam attack to divert the attention of its people. Another motive of the Pakistani army behind the Pahalgam attack was to create hatred between Hindus and Muslims in India. That is why people were selectively killed in Pahalgam on the basis of religious identity. Killing someone on the basis that he belongs to a different religion is the height of hatred and brutality. The aim of this attack was to break the unity of India. The harmonious living of Hindus and Muslims is the biggest challenge for Pakistan's evil intentions. Pakistan knows that due to the influence of Sufism, Hindus and Muslims have been living together in India. It does not like this. Pakistan must have been assuming that after killing people on religious grounds, the atmosphere in India will turn into communal hatred and there will be large-scale violence, but it was proved wrong. The Pahalgam incident has created an emotional atmosphere of grief and anger in the country. This incident has shaken the whole of India. India has almost the same Muslim population as Pakistan. About 97 percent of the population there is Muslim. If there is a terrorist incident in which people are killed for not being able to recite Kalma, then it hurts the image of Islam and the Islamic principle of 'Lakum Deenukum Wale Yadeen' i.e. 'Your religion is with you and my religion is with me'. Pakistan has already caused a lot of damage to Islam by nurturing Jihadi terrorist organizations. By carrying out the Pahalgam incident, it has only worked to defame Islam again. Many Muslim leaders in India have also said this clearly. These include Maulanas and Maulvis. Not only this, people of the Muslim community came out on the streets in large numbers to protest against the Pahalgam incident. The protest was first seen in Kashmir. After this, Muslims in large numbers in the rest of the country also offered namaz wearing black bands and took out candle marches. This is because they feel that the Pahalgam incident has in a way attacked the principles of Islam as well. The Pahalgam incident clearly wanted to create a dividing line, but this will not happen because people in the entire country, including Kashmir, are standing up against terrorism. It is the responsibility of both the communities and their leaders to ensure that no kind of hatred grows between Hindus and Muslims. Only by fulfilling this responsibility well, can Pakistan's evil intentions be thwarted. In that attack, the terrorists killed all those who could not recite the Kalma. The terrorists showed the same barbarity in Pahalgam too. They asked people about their religious identity, asked them to recite the Kalma and even made some people remove their clothes to confirm their identity. Those who claimed to be Hindus or could not recite the Kalma were ruthlessly shot in front of their wives and children. A Hindu professor from Assam was saved because he recited the Kalma. The terrorists carried out the terrorist incident in Pahalgam with the aim of establishing a pure Jihadi narrative. The incident in Pahalgam should be seen in the context of the recent speech of Pakistani Army Chief Asim Munir, in which he described Muslims as different from Hindus. The way he said that our thoughts, beliefs, culture etc. are all different, he expressed his hatred towards Hindus and India. In the same speech, he described Kashmir as the navel of Pakistan. Within a week of this hate speech, a terrorist attack took place in Pahalgam. This cannot be a coincidence. This automatically exposes the evil face of Pakistan. The terrorist incident in Pahalgam was carried out because assembly elections were held peacefully in Jammu and Kashmir, in which a large number of people participated. After the removal of Article 370, the situation in Jammu and Kashmir was becoming normal. Due to this, a large number of tourists were reaching there. For the last three years, the number of tourists was continuously increasing there. The Kashmiri people were also benefiting from this. Obviously, Pakistan was not liking this. It should also be noted that the Pakistani army is troubled by the internal problems of its country and is becoming unpopular. Imran Khan's supporters abuse it. Asim Munir is their target. Recently, the Pakistani army was greatly embarrassed by the hijacking of a Pakistani train by Baloch fighters. Its two-nation view has also collapsed. In Pakistan, Sindhis, Pashtuns, etc. consider the Pakistani army as terrorists. There are slogans that 'this terrorism is behind the uniform.' There are reasonable reasons to believe that the Pakistani army conspired for the Pahalgam attack to divert the attention of its people. Another motive of the Pakistani army behind the Pahalgam attack was to create hatred between Hindus and Muslims in India. That is why people were selectively killed in Pahalgam on the basis of religious identity. Killing someone on the basis that he belongs to a different religion is the height of hatred and brutality. The aim of this attack was to break the unity of India. The harmonious living of Hindus and Muslims is the biggest challenge for Pakistan's evil intentions. Pakistan knows that due to the influence of Sufism, Hindus and Muslims have been living together in India. It does not like this. Pakistan must have been assuming that after killing people on religious grounds, the atmosphere in India will turn into communal hatred and there will be large-scale violence, but it was proved wrong. The Pahalgam incident has created an emotional atmosphere of grief and anger in the country. This incident has shaken the whole of India. India has almost the same Muslim population as Pakistan.

Statements that increased anger, top leadership of Congress took cognizance of absurd statements

Naturally, BJP strongly opposed such statements but its leaders also have to keep in mind that they should not say or do anything that gives the impression that they are trying to take political advantage of the Pahalgam incident. No one's political interest can be bigger than the national interest. It was good that the top leadership of Congress took cognizance of the absurd statements of its leaders on the barbaric terrorist incident of Pahalgam and instructed them to speak on this attack according to the party line. Such instructions had become necessary because many of its senior leaders and even the Chief Minister of Karnataka went out of their way and said that we are not in favor of war. They said this when in the meeting called regarding the Pahalgam attack, the opposition parties justified the steps taken by the government against Pakistan and gave the message that whatever decision the government takes to suppress terrorism, they will support it. Many Congress leaders ignored this message and said such things which Pakistan started to exploit in its favour. After the unnecessary statement of the Chief Minister of Karnataka, one of his ministers said that terrorists do not have enough time to ask about the religion of a person before killing him. A similar statement was also given by a Congress MLA from Maharashtra. The limit was crossed when it was also said that the woman who is saying that her husband was asked about his religion before killing him, must have lost her senses. Another Congress leader said this absurd thing that Pakistan will be the enemy of BJP and RSS, not Congress? Such statements are not only insensitive and make the countrymen angry with the Pahalgam attack boil, but also fulfill the wishes of those who nourish terrorism. At least the Congress leaders should know that absurd statements nourish the enemies. Statements that hurt national interests and affect the unity of the country not only show that due to political bitterness, leaders abandon their discretion while speaking even on sensitive issues, but also indicate that they do not care about the party line even on matters of national importance. Some leaders of other parties have also made cheap statements on the heartbreaking attack in Pahalgam. While some statements were given due to the extremely negative politics of blind opposition, some were given due to cheap vote bank politics. Naturally, the BJP strongly opposed such statements, but its leaders will also have to keep in mind that they should not say or do anything that gives the impression that they are trying to take political advantage of the Pahalgam incident. No one's political interest can be bigger than the national interest.

मुरादाबाद हादसे में एक परिवार के तीन लोगों की मौत, जान गंवाने वालों में पति-पत्नी और बेटी शामिल

ठक्कुरद्वारा में शादी से लौट रहे परिवार की ऑल्टो कार को तेज रफ्तार लकड़ी लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली ने टक्कर मार दी। इसमें दंपती और उनकी बेटी की मौके पर मौत हो गई। पुलिस ने ट्रैक्टर को जब्त कर फरार चालक के खिलाफ है। ठाकुरद्वारा थाना क्षेत्र के गांव खाई पर बुधवार तड़के सड़क हादसे में और उनकी दस वर्षीय बेटी की लोग घायल हुए हैं। हादसे के बाद मौके से फरार हो गया। पुलिस ने कब्जे में लेकर रिपोर्ट दर्ज कर ली शिवाला कला क्षेत्र के गांव फिना कविराज अपने परिवार के साथ समारोह में शामिल होने आए थे। रहे थे। इसी दौरान सामने से आरफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने उनकी कार में कविराज, उनकी पत्नी मंजू और की मौके पर ही मौत हो गई। कार सतीश निवासी लोदीपुर, कविराज अन्य जानू घायल हो गए। हादसे पुलिस मौके पर पहुंची और सभी भेजा, जबकि मृतकों के शव भिजवा दिए गए। पुलिस ने ट्रैक्टर-फरार चालक के खिलाफ रिपोर्ट



मुकदमा दर्ज किया खेड़ा नहर वाला मार्ग ऑल्टो सवार दंपती मौत हो गई। तीन अन्य ट्रैक्टर-ट्राली चालक ट्रैक्टर और कार को है। बिजनौर के थाना रामपुर निवासी ठाकुरद्वारा में एक शादी सुबह वह कार से लौट रही लकड़ी से लदी तेज को टक्कर मार दी। हादसे दस वर्षीय बेटी अराध्या में सवार तासु पुत्री का बेटा लक्ष्य और एक की सूचना मिलते ही घायलों को अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए ट्रॉली को कब्जे में लेकर दर्ज कर ली है। घटना

से मृतक परिवार में कोहराम मचा हुआ है। ग्रामीणों ने हादसे को लेकर ट्रैक्टर चालकों की लापरवाही पर नाराजगी जताई है। मामा की शादी से लौट रहे रेस्टोरेंट कारीगर की सड़क दुर्घटना में मौत मामा की शादी से घर लौट रहे युवक की बाइक सोमवार रात 11 बजे करीब गांव आटा के नजदीक सड़क पार कर रही महिला से टकराकर पेड़ में जा घुसी। हादसे में बाइक सवार महेंद्र (32) निवासी गांव वीजना थाना भोजपुर जिला मुरादाबाद की मौत हो गई। जबकि महिला की हालत नाजुक देखकर चिकित्सक ने उसे हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। जिला मुरादाबाद के थाना भोजपुर के गांव वीजना निवासी महेंद्र पुत्र श्रीराम चंदौसी के मुरादाबाद गेट पर एक रेस्टोरेंट में कारीगर का काम करते थे। वह नगर के मोहल्ला गोलागंज में अपने परिवार के साथ किराये पर रहते थे। सोमवार देर रात करीब 11 बजे वह थाना बनियाठेर के गांव देवापुर में अपने रिश्ते के मामा के यहां शादी समारोह में शामिल होकर चंदौसी लौट रहे थे। जैसे ही वह बहजोई रोड पर गांव आटा के पास पहुंचे, तो उसकी बाइक पैदल सड़क पार कर रही महिला आरती निवासी गांव हिम्मतपुर थाना शाहबाद जिला रामपुर से टकराकर सड़क किनारे पेड़ में जा घुसी। हादसे में बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। राहगीरों की सूचना पर आई एंबुलेंस घायल महिला को लेकर सीपचसी आई। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया। परिजन शव को अपने साथ गांव ले गए। मौत का कारण जानने के लिए उन्होंने भोजपुर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव का पंचनामा भर उसे पीएम के लिए भेजा।

मुरादाबाद में बोले प्रमोद कृष्णम- इस्लामिक हमला कहने से कतराते हैं राहुल गांधी, ओवैसी को बताया बेहतर

आचार्य प्रमोद कृष्णम ने पहलगाम हमले को दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए कहा कि धर्म पूछकर पर्यटकों की हत्या शर्मनाक है। उन्होंने राहुल गांधी, अखिलेश यादव और ममता बनर्जी पर भारत विरोधी ताकतों का परोक्ष समर्थन करने का आरोप उसकी ही भाषा में जवाब जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया। कांठ में कट्टरपंथियों ने धर्म पूछकर निर्दोष है उन्होंने कहा कि देश में कुछ समर्थन न करें, लेकिन अंदर ही गांधी, अखिलेश यादव, तेजस्वी ताकतों का परोक्ष रूप से समर्थन राहुल गांधी पहलगाम हमले को कतराते हैं। उन्होंने कहा कि विरोधी हों, लेकिन जब बात देश के पक्ष में खड़े नजर आते हैं। कि उनके कहने और करने में होते हैं और दिल में कुछ और से अपील की कि पाकिस्तान को की घटना ने पूरे देश को झकझोर



कमजोर समझने की भूल पाकिस्तान और उसके समर्थकों को भारी पड़ेगी। भगवान परशुराम क्षत्रियों के नहीं, अहंकारी राजाओं के शत्रु थे- आचार्य प्रमोद ब्राह्मण समाज ने बुधवार को भगवान विष्णु के छठे अवतार परशुराम का जन्मोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के तत्वावधान में आयोजित चार दिवसीय उत्सव के अंतिम दिन वैदिक मंत्रों के साथ भगवान परशुराम की पूजा-अर्चना की गई। कार्यक्रम में वक्ताओं ने भगवान परशुराम के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान करते हुए ब्राह्मण समाज से एकजुट रहने की अपील की। मुख्य अतिथि कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि समाज में यह भ्रांति फैलाई गई है कि भगवान परशुराम क्षत्रियों के शत्रु थे, जबकि वे केवल अहंकारी और अधर्मी राजाओं के विरोधी थे। उन्होंने कहा कि ब्रह्म को जानने वाला ही सच्चा ब्राह्मण होता है, केवल शास्त्रों को रटने से काम नहीं चलेगा, उन्हें समझकर पढ़ना चाहिए। आचार्य प्रमोद ने कहा कि भगवान परशुराम साक्षात् पूर्ण अवतार और चिरंजीवी हैं। कलियुग के अंत में जब भगवान कल्कि का अवतार होगा, तब परशुराम उनके गुरु बनकर उन्हें शिक्षा और दीक्षा देंगे। उन्होंने कहा कि ब्राह्मण समाज का राष्ट्र के प्रति समर्पण ऐतिहासिक रहा है और यह परंपरा आज भी जारी रहनी चाहिए। उन्होंने जातिवाद को नकारते हुए कहा कि मनुस्मृति में जातिवाद का कोई प्रमाण नहीं है, इसलिए समाज को केवल हिंदू बनकर राष्ट्र के लिए कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में एकता ही सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भेड़-बकरियों का समाज कभी राष्ट्र निर्माता नहीं बन सकता। गोष्ठी में बनारस से आए डॉ. महिम तिवारी, महामंडलेश्वर हरिमोहन दास, कार्यक्रम अध्यक्ष व भाजपा के क्षेत्रीय महामंत्री हरिओम शर्मा, ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कवि माधव मिश्र ने भी अपनी बात रखी। राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष महेश चंद्र शर्मा और मंडलाध्यक्ष संजीव सारस्वत ने भी ब्राह्मण समाज को संगठित रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन महासभा के क्षेत्रीय जिलाध्यक्ष आचार्य भावेश शर्मा ने किया।

10 दोना मेकिंग मशीन वितरण किये जाने का लक्ष्य प्राप्त हुआ

क्यूँ न लिखूँ सच
जिला ग्रामोद्योग अधिकारी ने बताया कि उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा वर्ष 2025-26 में जनपद मुरादाबाद में 10 दोना मेकिंग मशीन वितरण किये जाने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। दोना मेकिंग मशीन के वितरण हेतु दोना मेकिंग कार्य में लगे परम्परागत एवं इस उद्योग में रुचि रखने वाले अन्य कारीगरों को चयन उपरान्त दोना मेकिंग मशीन नि:शुल्क वितरित की जायेगी। लाभार्थियों के पंजीकरण की प्रक्रिया ऑनलाइन कर दी गयी है। इसे बोर्ड के वेबसाइट पर ह्रद्वथा1द्वड्डु.दृश1.द्वड्डु की ऑनलाइन सेवाओं के अन्तर्गत ''ऑनलाइन टूलकिट्स पंजीकरण एवं आवंटन'' के नाम से अपलोड किया गया है। ऑनलाइन आवेदन करने की तिथि 15.05.2025 है। प्राप्त आवेदन पत्रों का चयन निर्धारित चयन समिति के द्वारा किया जाएगा तदपश्चात् मुख्यालय स्तर से मशीनों की आपूर्ति प्राप्त होने पर चयनित लाभार्थियों को नि:शुल्क मशीन उपलब्ध करायी जाएगी। पीठासीन अधिकारी मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण जनपद मुरादाबाद श्री संजय कुमार-द्वितीय ने आशुलिपिक पद से सेवानिवृत्त कर्मियों को सूचित किया है कि मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, जनपद मुरादाबाद में आशुलिपिक के पद हेतु सेवानिवृत्त कार्मिक को संविदा के आधार पर इस शर्त के अधीन रखा जाना है कि ऐसे कार्मिकों को संविदा के रूप में मिलने वाली राशि संबंधित कार्मिक के अन्तिम आहरित वेतन में से शुद्ध पेंशन की धनराशि को घटाने पर प्राप्त होने वाली राशि के बराबर होगी। नियुक्ति में ऐसे सेवानिवृत्त कर्मी को वरीयता दी जायेगी जो न्यायालय कार्य से भिन्न हो तथा आशुलिपिक के पद का कार्य सम्पादित करने में सक्षम व दक्ष हो। उन्होंने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण जनपद मुरादाबाद के कार्यालय से आवेदन फार्म प्राप्त कर दिनांक 09.05.2025 तक अधिकरण में जमा कर सकते हैं। अभ्यर्थियों का चयन इस कार्य हेतु गठित समिति के द्वाा किया जायेगा। मोटर वाहन दुर्घटना दावा अधिकरण मुरादाबाद के नोटिस बोर्ड पर चस्पा कर दी जाएगी।

बिटिया हुई डिस्चार्ज, अब कोर्ट में होंगे बयान -सीओ

मुरादाबाद सैफनी/शाहबाद (रामपुर)। मूकबधिर बिटिया घटना के 14 दिन बाद अस्पताल से डिस्चार्ज होकर घर तो आ गई, लेकिन अब भी खामोश है। बिटिया से हुई दरिंदगी के मामले में सोमवार को सीओ हर्षिता सिंह ने स्पेशल एजुकेटर की टीम के साथ बयान दर्ज किए थे। अब बिटिया के बयान मजिस्ट्रेट के सामने होंगे। जिसके बाद कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की जाएगी। सैफनी क्षेत्र के एक गांव में दरिंगी की शिकार 11 वर्षीय मूकबधिर बिटिया का मेरठ के मेडिकल कॉलेज में 13 दिन से उपचार चल रहा था। हालत में सुधार होने पर 28 अप्रैल को सीओ हर्षिता सिंह ने मेरठ मेडिकल कॉलेज पहुंचकर मूकबधिर बच्चों की स्पेशल एजुकेटर मीनाक्षी और पुष्पेंद्र की मौजूदगी में बयान लिए थे। पूरे घटनाक्रम को बिटिया ने इशारों-इशारों में बताया था। आरोपी की तस्वीर देखकर उसकी पहचान भी कर दी थी।प्रकरण में सीओ हर्षिता सिंह ने बताया कि अब बिटिया अपने घर 14 दिनों के बाद डिस्चार्ज होकर घर लौट आई है। अब उसके मजिस्ट्रेटी बयान होंगे।

जिसके बाद कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की जाएगी। सीओ ने बताया कि अभी उन्हें फोरेंसिक जांच रिपोर्ट और डीएनए रिपोर्ट नहीं मिली है। यह रिपोर्ट मिलते ही आगे की कार्रवाई तेजी के साथ की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

मुस्लिम परिवार को सोसायटी से बाहर करने पर विवाद, कमिश्नर बोले- माहौल खराब करने वालों पर नजर

मुरादाबाद की गौर ग्रेसियस सोसायटी से मुस्लिम परिवार को निशाना बनाने के प्रयास पर कमिश्नर आंजनेय कुमार सिंह ने नाराजगी जताई है। उन्होंने डीएम और एसएसपी को सोसायटी में सुरक्षा व्यवस्था और शांति बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। कहा कि माहौल बिगाड़ने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।मुरादाबाद की गौर ग्रेसियस सोसायटी से मुस्लिम परिवार को बाहर करने के विवाद को कमिश्नर आंजनेय कुमार सिंह ने अनुचित ठहराया है। कमिश्नर ने कहा कि माहौल खराब करने की अनुमति किसी को नहीं है। इस प्रकरण में उन्होंने डीएम और एसएसपी को सोसायटी में व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए हैं।पिछले तीन दिनों से सुर्खियों में बनी शहर की गौर ग्रेसियस सोसायटी मंगलवार को कमिश्नर सभागार में हुई मंडलीय समीक्षा बैठक में भी चर्चाओं में रही। बैठक के दौरान कमिश्नर आंजनेय कुमार सिंह ने गौर ग्रेसियस सोसायटी से मुस्लिम परिवार को बाहर करने को लेकर चल रहे विवाद पर डीएम अनुज सिंह और एसएसपी सतपाल अंतिल से चर्चा की। कमिश्नर ने कहा कि गौर ग्रेसियस जैसे विवाद बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। इससे समाज में गलत संदेश जाता है। किसी के साथ किसी तरह की ज्यादाती नहीं होनी चाहिए। इसका किसी को अधिकार नहीं है। गौर ग्रेसियस में सुरक्षा का माहौल बनाया जाए। माहौल खराब करने की किसी को अनुमति नहीं है। मुस्लिम परिवार वहां 18 साल से रह रहा है। सभी को बराबर का अधिकार है। कमिश्नर आंजनेय कुमार सिंह ने बताया कि गौर ग्रेसियस प्रकरण में डीएम और एसएसपी को उन्होंने डीएम एसएसपी को गौर ग्रेसियस में सुरक्षा के माहौल बनाने के निर्देश दिए। क्या है प्रकरण-गौर ग्रेसियस सोसायटी में लखनऊ निवासी मुस्लिम परिवार रहता है। शनिवार को सोयायटी के कुछ लोग एकत्र हो गए थे। उन्होंने मुस्लिम परिवार से आवास खाली कराने के लिए दबाव बनाया। मुस्लिम परिवार ने इसका विरोध किया तो सोसायटी में हंगामा हो गया था। इसकी जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों से बात की गई थी। उन्होंने सुरक्षा का हवाला देते हुए आवास खाली कराने की मांग की थी। 13 लोगों पर हो चुकी है निरोधात्मक कार्रवाई शनिवार को पुलिस के समझाने पर लोग शांत हो गए थे। लेकिन लेकिन रविवार को फिर से लोगों ने हंगामा किया और आवास खाली कराने के लिए कहा। मौके पर पहुंची पुलिस ने 12 लोगों पर निरोधात्मक कार्रवाई करते हुए सभी को पांच पांच



लाख रुपये में पाबंद किया। वहीं सोमवार को पुलिस ने मुस्लिम परिवार पर भी निरोधात्मक कार्रवाई करते हुए पांच लाख रुपये से पाबंद कर दिया। सोसायटी में फिर पहुंची पुलिस, दोनों पक्षों से की बात गौर ग्रेसियस सोसायटी प्रकरण को लेकर पुलिस भी अलर्ट है। मंगलवार को पुलिस दो बार सोसायटी में पहुंची और दोनों ही पक्षों से बात की। हालांकि, किसी भी पक्ष ने कोई दिक्कत नहीं बताई। इसके बाद पुलिस वापस चली गई। गौर ग्रेसियस सोयायटी में शनिवार से एक मुस्लिम परिवार के रहने को लेकर विरोध चल रहा है। इस मामले में पुलिस और खुफिया तंत्र भी अलर्ट हो गया है। टीमों ने सोसायटी में पहुंचकर जांच पड़ताल की, तब पता चला कि यह परिवार 13 साल से यहां रहता है, लेकिन कभी कोई विवाद नहीं हुआ। पहलगाम आतंकी हमले के बाद कुछ लोग सोसायटी में मुस्लिम परिवार का विरोध करने लगे थे। इस मामले में पुलिस की ओर से कार्रवाई शुरू कर दी गई है। मंगलवार को पुलिस टीम सोसायटी पहुंची और दोनों पक्षों से बात की। पुलिस का दावा है कि अब लोगों का कहना है कि उन्हें कोई दिक्कत नहीं है। विरोध करने वाले लोग शांत हो गए। एसपी सिटी कुमार कुमार विजय सिंह कहना है कि सोसायटी में अब किसी पक्ष को कोई दिक्कत नहीं है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

इयँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

राष्ट्रीय लोक अदालत के संबंध में जिला न्यायालय
में प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक हुई संपन्न

संक्षिप्त समाचार

कालपी जालौन – बुधवार को भगवान श्री परशुराम प्राकट्योत्सव के अवसर पर स्थानीय नगर में जयकारों के साथ विशाल शोभायात्रा निकाली गई। जगह जगह फूल वर्षा कर भक्तों का स्वागत किया गया। ठठ्ठर बापा इंटर कालेज कालपी के सभागार में अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा एवं परशुराम सेना के तत्वावधान में आयोजित परशुराम प्राकट्योत्सव समारोह में विधायक विनोद चतुर्वेदी, बड़ा स्थान मंदिर के महंत 1008 बाबा रामकरण दास महाराज, दुर्गा मंदिर के पंडित राजेन्द्र महाराज, कथा वाचक राम श्याम महाराज आदि संत महात्माओं के अलावा सनातनी तथा गणमान्य नागरिक एकत्रित हो गये। समारोह को सम्बोधित करते हुये विधायक विनोद चतुर्वेदी ने कहा कि ईश्वर ने सभी को बराबरी के दर्जे में पैदा किया एवं समानता की है। प्रभु परशुराम ने हम सब लोगों को धर्म के रास्ते पर चलने की सीख दी है इसलिए हम सभी लोग भगवान परशुराम के बताए हुए रास्ते पर चले। समारोह के भगवान परशुराम की शोभायात्रा गाजे बाजे के साथ शुरू हुई जो आलमपुर, उत्तनगंज, ब्राह्मण आदि स्थानों में ज़िला काफ़ी। शोभायात्रा का कई स्थानों में पुष्प वर्षा करके स्वागत किया गया। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के ज्ञान अथ्यश राजू पाठक, पूर्व विधायक अरुण मेहराज, मनोज चतुर्वेदी, भाजपा नेता शशिकांत सिंह चौहान, राजेश द्विवेदी, कैलाश स्वरूप बाजपेई, सुबोध द्विवेदी, अमित पांडेय, विशाल सेंगर, संदीप शर्मा, ओम प्रकाश शर्मा, रामकुमार तिवारी, राजयोगी रजनीकांत, ब्रह्म सिंह यादव, नवीन गुप्ता, राजन सिंह चौहान, आशीष चतुर्वेदी, हर मोहन सिंह यादव, राघव अग्निहोत्री, सज्जन महाराज, प्रदीप तिवारी, अमरदीप पांडे, शिवानी सिंह, भारत सिंह यादव के अलावा भारी संख्या में भक्त लोग शामिल रहे। समारोह का संचालन पंडित ज्ञानेंद्र मिश्रा के द्वारा किया गया, समारोह में आयोजन के द्वारा गणमान्य नागरिकों धर्माचार्य का फूल माला पहनकर स्वागत किया

Saurabh murder case: Sahil-Muskan's bail plea rejected, next hearing will be on 9 May, government advocate had appealed

Saurabh's wife Muskan Rastogi and her lover Sahil Shukla, who murdered him in Meerut, have sought bail. The court has fixed May 9 as the date for the next hearing in the Muskan Rastogi and her murdered him in Meerut, application has been filed in lawyer Rekha Jain. In this, release Muskan and Sahil court, while hearing this, ??both. The court has given hearing the case.Muskan murdered Saurabh. After 3 pieces, put it in a blue on it. Both of them have Saurabh in front of which both of them went to Brahmपुरi police had matter and arrested both the are lodged in the district jail application for bail of government advocate main basis for bail that the case was registered much after the murder. She said that there is no eyewitness to the murder, who proves that Muskan and Sahil have committed the murder. Brahmपुरi police has also written a comment on the bail application of the government advocate that bail will not be granted. While hearing the case, the court rejected the bail application and fixed the date of May 9 for the next hearing.



case.Saurabh's wife lover Sahil Shukla, who have sought bail. An the court on behalf of their they have appealed to from jail on bail. Today, the has rejected the bail plea of May 9 as the next date for and Sahil had brutally this, they cut his body into drum and poured cement also confessed to killing Brahmपुरi police. After Shimla, Manali for a trip. registered a case in this accused. Muskan and Sahil since March 19. In the Muskan Sahil on April 24, Rekha Jain has made the

Every time a new gang was formed, the first shot was fired at the aunt; the story of Jeetu becoming a criminal

In UP's Mainपुरi, notorious criminal Jeetu alias Jitendra Thakur of Hathras, who had a reward of Rs 1 lakh on his head, was killed in an encounter by STF Agra and Mainपुरi police. Jeetu, the criminal killed in a police encounter, first stepped into the world of crime alone. Later, he formed a gang and started committing crimes. Many vicious criminals were included in his gang. In Mainपुरi, notorious criminal Jeetu alias Jitendra Thakur of Hathras, who had a reward of Rs 1 lakh on his head, was killed in an encounter by STF Agra and Mainपुरi police on Tuesday morning. His partner escaped from the spot. The encounter took place at Tarapur Cut culvert of Elao police station area. Jeetu had created terror in Aligarh division for the last 22 years. Jeetu, who was killed in the encounter, had been a headache for the police for the last 22 years. His criminal journey started with the incident of shooting and injuring his aunt in the village at the age of 18. Every time he used to commit crime by forming a new gang. He had shot his aunt. In 2003, in Thana Junction area, Jeetu had dispute over cleaning of drains. incident, however, she survived. In with a pistol. This was his first crime after crime. In 2005, he in village Paharpur with his gang Manohar Lal reached home and he him dead. In 2007, another case of against him. On 6 January 2009, a area. There are 25 cases registered assault, intimidation, murderous Junction police station, two in Surajkund, Faridabad, Haryana and were registered against Jeetu before police encounter has been case has been registered by Elao and STF Agra's inspector Hukum Singh. Its investigation will be given to some other police station. For scientific investigation of the encounter, the FSL team went to the spot and collected blood samples of the deceased, soil sample and other samples from the encounter site. All these will be investigated in Agra FSL. Police engaged in search of the bike driver STF and Elao police station are now engaged in finding out who was the other person on the bike with Jeetu. Police is also involved in the case and is engaged in the search. SP told that the police had announced a reward of one lakh rupees on Jeetu, who was absconding in the murder of ration dealer Yogesh Upadhyay of Hathras. Mother said - Jeetu was found a month ago, then he cried a lot. The family of criminal Jeetu alias Jitendra, who was killed in a police encounter, reached the post-mortem house on Tuesday afternoon after getting the news of his death. Seeing Jeetu's dead body, his mother Rajkumari and sister Sadhana started crying bitterly. Wife Diksha and daughter did not come. Rajkumari, mother of 39-year-old Jeetu alias Jitendra, said that her son Jeetu was framed in a false murder case in 2005. The murder took place in a neighboring village. Rajkumari said that the family has been demanding a CBI inquiry into that case since the beginning. Apart from this, she told that a month ago, the son had come to meet her secretly one night. Then he cried a lot about the police cases. Sister Sadhana said that the brother wanted to live a normal life. But, the police case and his enemies did not let him leave the path of crime. Rajkumari told that daughter-in-law Diksha could not come. She is at her maternal home. She has been informed. Jeetu's house has been confiscated, the family has broken ties. Police had filed a report against six people in the murder of Hathras ration dealer Yogesh Upadhyay. The murder was done due to the rivalry for the post of Pradhan. Police had arrested many accused but the main accused Jeetu Thakur was absconding. The police had declared a reward of Rs 1 lakh on him and also got his house confiscated. When the police put pressure on him for arrest in this case, Jeetu's family also broke off relations with him. His wife has also left him and gone to her parents' home.



shot his aunt in the village itself in a She was seriously injured in this this case, the police had arrested him crime, after this he kept committing entered Manohar Lal Sharma's house with the intention of theft. During this, recognized Jeetu, on which he shot murderous attack was registered principal was shot dead in Hasayan against him under sections of robbery, attack etc. including 21 in Hathras Hasayan police station, one in one in Mainपुरi. A total of 24 cases the encounter. Now the 25th case of registered in Elao police station. This police station inspector Avnish Tyagi

Rahul Gandhi arrived on a tour of Amethi, inspected the Ordnance Factory and Open Heart Surgery Theater

Congress leader Rahul Gandhi reached Amethi on Wednesday after spending Tuesday in Rae Bareli. Where he participated in many programs. Congress workers looked very excited with his arrival. After a long gap of about ten months after the Lok Sabha elections 2024, Leader of Opposition in Lok Sabha Rahul Gandhi reached Amethi on a one-day visit on Monday. During the tour, Rahul Gandhi was given a grand welcome at many places and tremendous enthusiasm was seen among the Congress workers. He inspected the weapons manufactured at the Ordnance Factory located in Korwa and inaugurated the Open Heart Surgery Operation Theater in the Sanjay Gandhi Hospital campus located in Munshiganj. Inspected weapons at Korwa Gun FactoryRahul Gandhi's convoy first reached the Ordnance Factory located in Korwa, Amethi. Where he took information about the domestic weapons and technical equipment being made in the factory. Factory officials informed him about the production process and the steps taken towards self-reliance in the defense sector. After inspecting the facilities available to heart patients at Sanjay Gandhi Hospital, Rahul Gandhi reached Sanjay Gandhi Hospital in Munshiganj where he inaugurated the open heart surgery operation theater. On this occasion, he said that now patients suffering from heart disease will not need to go to Lucknow or other cities. State-of-the-art medical facilities will be available in Amethi itself. Emphasis on strengthening the Congress organization- Rahul Gandhi met senior Congress workers of the district and appealed to strengthen the organization at the grassroots level. He asked the workers to activate the party from the village panchayat to the district level and such people should come forward who can strengthen the organization by giving time. Amazing enthusiasm was seen in the welcome- Hundreds of workers welcomed Rahul Gandhi under the leadership of Congress District President Pradeep Singla at Usraha Baba intersection of Fursatganj. As soon as he heard the sound of the band playing, he himself stopped and stopped it and inquired about the well-being of the workers. Along with this, Rahul Gandhi was given a grand welcome at Jais, Gauriganj and other places. Gave toffees to children, smile on their faces- When the convoy stopped at Jais town, Rahul Gandhi met the workers and when the children saw him and ran towards him, he stopped the convoy and presented toffees to the children. The children smiled and thanked him. Senior leaders praised the visit- Former minister and senior Congress leader Ashish Shukla said that this visit of Rahul Gandhi was not only in public interest but was also historic from both the health and organization perspectives. Congress Block President Devmani Tiwari also called the visit important in the direction of the revival of the organization.

Brother and sister injured after being hit by tractor-trolley

Kyun na likhun sach- Virendra Kumar Verma Feroze Ahmed (32), son of Bashir Ahmed, resident of Gram Panchayat Laxmanpur Kothi of Shravasti Malhipur police station area, were returning home late night from Veerganj market with his sister Alimun (40) wife Changa. Late on Monday night, when both of them reached near Gangapar on Jamanha-Bahraich road, an unknown tractor-trolley hit their bike from behind. Both the brother and sister were seriously injured in the accident. With the help of local people, both were immediately taken to Community Health Center Malhipur through a private vehicle, where first aid was given by doctors. According to doctors, the condition of both is stable at present, but they have been kept under observation. Police has been informed and the absconding tractor-trolley is being searched.

UP Assembly Speaker said- Prime Minister Modi's objectionable photo is a conspiracy to lower the morale of the army

UP Assembly Speaker Satish Mahana said that the way people are coming forward to raise



questions on the Pahalgam attack, it seems that people sitting here are doing Pakistan's work. Uttar Pradesh Assembly Speaker Satish Mahana termed the Congress' objectionable photo of Prime Minister Narendra Modi being circulated on social media as unconstitutional and said that such a photo of the Prime Minister is an attempt to lower the morale of the army. Talking to journalists on Wednesday, Satish Mahana said that no matter who the Prime Minister is or which party he belongs to, such an act is unconstitutional. By doing this, separatists and traitors are being encouraged. He said that separatists raise the slogan 'Sar Tan Se Juda' and the opposition party is posting such a photo, which cannot be allowed to anyone. He said that the opposition has full right to criticize but such objectionable photo is not acceptable in any form. The speaker of the assembly said that there is no point in deleting this post later because through this post he has made his intentions clear. Describing this post as a product of fundamentalist thinking, Mahana said that this will support the separatists and strengthen their thinking. On the questions being raised by the opposition on the issue of asking religion and then killing, Mahana said that this used to happen in Jammu and Kashmir even before 2014. He mentioned many such incidents and said that the next day of such an incident, the then government used to make a statement that the separatists are obstructing the peace process, whereas if we talk about today, immediately after this incident, Prime Minister Narendra Modi not only left his foreign tour but also took immediate strict action. Without taking the name of Robert Vadra, he said that Pakistan is readily accepting the statements of the relative of the leader of a big party of the country. He said that those who raise questions on asking religion and then shooting are also traitors and are supporting terrorists. The speaker of the assembly said that after the Pahalgam incident, the way people are coming forward to raise questions on this incident, it seems that the people sitting here are doing the work of Pakistan.

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन की साधना स्थल भूमि पर छह मंदिरों का शिलान्यास किया

क्यूँ न लिखूँ सच –राकेश गुप्ता

शामली श्री हरि कृपा ट्रस्ट शामली द्वारा आयोजित गौशाला रोड स्थित अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन की साधना स्थल भूमि पर 6 मंदिरों का शिलान्यास किया गया। कार्यक्रम परम सानिध्य अरविंद दृष्टा महाराज के सानिध्य में चला। अग्रवाल सम्मेलन संरक्षक पालिकाध्यक्ष अरविंद संगल , मीनू संगल, चेयरमैन नगर पालिका परिषद शामली।, शिव चरण दास संगल ,विपिन नेता जी , नरोत्तम गर्ग



गढ़ी पुख्ता, मोनाक्षी मित्तल शास्त्री स्वीट्स, विवेक जैन, सचिन गोयल, प्रदीप बंसल, मुक्तेश्वर शर्मा, बलराज स्वरूप, अनिल संगल, नरेंद्र गोयल, घनश्याम दास तायल, अनिल बंसल, आशीष संगल ने विधि विधान से पूजा अर्चना की। आचार्य चंचल शर्मा ने विधि विधान से पूजा अर्चना कराई। परम श्रद्धेय अरविंद दृष्टा महाराज, पालिकाध्यक्ष अरविंद संगल, हनुमान धाम अध्यक्ष सलिल द्विवेदी अग्रवाल सम्मलेन प्रदेश संगठन मंत्री विपिन नेता जी ने शिलान्यास की ईट रख पूजा अर्चना की तत्पश्चात् सभी यजमान व उपस्थित व्यक्तियों ने भी एक एक ईट रखी। मंदिर निर्माण माता कात्यायनी देवी, माता लक्ष्मी, भगवान पदमनाथम, अयोध्या के राम लला , सिध्दी विनायक , माता अन्नपूर्णा, का कराया जाएगा । अरविंद दृष्ट महाराज ने परम आशीर्वाद देते हुए कहा कि आज भगवान परशुराम, माता अन्नपूर्णा की जयंती है। उनको हम प्रणाम करते हैं। उनकी कृपा आप सभी पर बनी रहे। कात्यायनी देवी विवाह में सहायक है। उनकी पूजा करने से विवाह जल्दी हो जाता है। मां लक्ष्मी सब धन वैभव की वर्षा करती है। रामलला आप पर कृपा बनाए रखे श्री हरि नारायण की नाभि से कमल की उत्पत्ति हुई। और कमल से ब्रह्मा जी की उत्पत्ति हुई। माता अन्नपूर्णा सबके भंडार भरने वाली है। उनकी कृपा से ही जीवन सही प्रकार चल रहा है। सिध्दीविनायक सबका का कष्ट दूर करने वाले हैं। शामली क्षेत्र के सभी क्षेत्रवासियों को श्री हरि नारायण अपनी कृपा बनाए रखें। और सभी का कल्याण करें। पवन संगल ठेकेदार की देखरेख में मंदिर का निर्माण किया जाएगा। कार्यक्रम में अपार भीड़ रही। विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सलिल द्विवेदी अध्यक्ष हनुमान धाम, स्वामी ओमान्द हरिद्वार, महिपाल शर्मा रुड़की, राजेश्वर कुमार बंसल पूर्व विधायक, अग्रवाल सम्मेलन के प्रदेश उपाध्यक्ष शिव चरण संगल, प्रदेश संगठन मंत्री विपिन नेता, जिला अध्यक्ष संजय संगल, नगर अध्यक्ष सुधीर कुमार सिंघल, सचिव डॉक्टर राजीव बंसल, कोषाध्यक्ष संजय बंसल, रवि संगल,व हरि कृपा ट्रस्ट से मुकेश गर्ग एडवोकेट, शिवकुमार मित्तल, शिवकुमार पतंजलि, मनोज मित्तल, सुनील गर्ग, जगमोहन गर्ग, अनुज गुप्ता, खुशिराम अरोड़ा, आदि रहे

जिलाधिकारी के नेतृत्व में जनपद द्वारा उत्कृष्ट कार्य का प्रदर्शन किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच – नीरज कुमार

मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 एन0डी0 शर्मा ने बताया कि दिनांक 01 अप्रैल 2025 से 30 अप्रैल 2025 तक संचालित होने वाले संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान में श्री राजेश कुमार पाण्डेय जिलाधिकारी जनपद द्वारा उत्कृष्ट ग य ा । अभियान के दौरान मॉनीटरिंग में उत्कृष्ट जो कि निम्नानुसार विभाग द्वारा की नालियों की फागिंग, एण्टीलार्बल शुद्ध पेयजल की गया। जो कि राज्य प्रतिशत रहा। शिक्षा



को स्कूल शिक्षक द्वारा वी0बी0डी0/ इंसेफेलाइटिस/बुखार की रोकथाम एवं बचाव के बारे में शिक्षित किया गया जो कि 98 प्रतिशत रहा। कृषि विभाग द्वारा अभियान के दौरान परिवारों को चूहों / चोल्स/झाड़ियों से होने वाली बीमारियों की रोकथाम के बारे में समुदाय में बैठक आयोजित कर जागरूक किया गया। जो कि राज्य औसत से अधिक 95 प्रतिशत तक रहा। पशुपालन विभाग द्वारा सुअर पालन, पोल्ट्री फार्म, हैचरी, डेयरी फार्म मालिको को जागरूक किया गया। जो कि राज्य औसत से अधिक 100 प्रतिशत रहा। बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों ने जन समुदाय में परिवारों को कुपोषण की रोकथाम के बारे में परामर्श दिया। जो कि राज्य औसत से अधिक 98 प्रतिशत रहा। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा आशा ने इंसेफेलाइटिस की रोकथाम, 108 एम्बुलेंस के उपयोग, मच्छरों और स्प्रेतों संदिग्ध टी0बी0 मामले की जाँच निकटतम केन्द्र पर कराये जाने एवं फाइलेरिया से बचाव तथा कुष्ठ रोगों के लक्षणों के बारे में जानकारी प्रदान की गयी। आशा ने परिवार को तेज बुखार / ए0ई0एस0 के मामलों के शीघ्र उपचार के महत्व के बारे में शिक्षित किया गया, आशा द्वारा अभियान के दौरा 86 प्रतिशत घरों में स्टीकर चिपकाने का कार्य किया गया। आशा द्वारा परिवारों को कृन्तकों (चूहों / चोल्स) से होने वाले स्कब टाइफस के बारे में जागरूक किया गया। अभियान के दौरान आशा द्वारा परिवार के सदस्यों को आभा आई0डी0 प्रदान की गयी। आशा द्वारा परिवारों को हीटवेव से बचाव के बारे में शिक्षित किया गया। अभियान के दौरान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न इण्डीकेटर 98 से 100 प्रतिशत तक रहे हैं। सभी सहयोगी विभागों का विभिन्न गतिविधियों में राज्य औसत से अच्छा प्रदर्शन रहा।

जनपद के अमीटा गांव में जल संरक्षण पर जन चौपाल आयोजित, जल पुरुष राजेन्द्र सिंह ने दी पानी बचाने की प्रेरणा

क्यूँ न लिखूँ सच – आलोक नारायण

परमार्थ संस्था के तत्वावधान में जल संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने हेतु ग्राम अमीटा, जनपद में एक विशेष जल चौपाल का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्राथमिक विद्यालय अमीटा के परिसर में सम्पन्न हुआ, जिसकी अध्यक्षता देश के विख्यात जल संरक्षण विशेषज्ञ एवं जल पुरुष प्रसिद्ध राजेन्द्र सिंह ने की। चौपाल का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण समुदाय को जल संरक्षण के महत्व से अवगत कराना और जल संकट से निपटने हेतु सामूहिक सहभागिता को बढ़ावा देना था।अपने संबोधन में राजेन्द्र सिंह ने कहा कि यदि वर्तमान में पानी को बचाने के प्रयास नहीं किए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को इसके दुष्परिणाम झेलने होंगे। उन्होंने वर्षा जल संचयन, परंपरागत जल स्रोतों के पुनर्जीवन और भूगर्भ जल संरक्षण की महत्ता पर प्रकाश डाला तथा अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि सामूहिक प्रयासों से कैसे सूखा प्रभावित क्षेत्रों को जल समृद्धि की ओर ले जाया गया है। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने भी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जिला प्रशासन जल संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहा है। उन्होंने कहा कि जनपद के प्रत्येक गांव में इस प्रकार की जल चौपालों का आयोजन किया जा रहा है, जिससे आमजन को जल संरक्षण अभियानों से जोड़ा जा सके। चौपाल के दौरान ग्रामीणों से संवाद स्थापित करते हुए खेत तालाब योजना, नदियों के पुनर्जीवन, जल प्रबंधन एवं संवर्धन तकनीकों पर विस्तृत जानकारी साझा की गई। ग्रामीणों से अपील की गई कि वे अपने गांवों में जल स्रोतों की सफाई, संरक्षण और विवेकपूर्ण उपयोग को अपनाएं। यह चौपाल न केवल एक जागरूकता कार्यक्रम साबित हुआ, बल्कि जल संकट से निपटने के लिए समुदाय को एकजुट होकर कार्य करने की प्रेरणा भी बना। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी राजेन्द्र कुमार श्रीवास, उप जिलाधिकारी कौंच ज्योति सिंह, सम्बंधित अधिकारी के साथ परमार्थ संस्था से संजय, अरुण आदि मौजूद रहे।



जिला जज के निर्देशन में समन्वय बैठक संपन्न हुई

क्यूँ न लिखूँ सच – नीरज कुमार

उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में 10 मई 2025 को आयोजित की जाने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता सुनिश्चित किये जाने हेतु आज माननीय जनपद न्यायाधीश श्री अचल सचदेव के निर्देशन में जिले के पुलिस क्षेत्राधिकारी के साथ समन्वय बैठक सम्पन्न हुयी। प्रभारी सचिव जिला जज जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री अर्पित सिंह ने उपस्थित पुलिस क्षेत्राधिकारी को निर्देशित किया कि आप अपने स्तर से सभी थानों के प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षों को इस आशय का निर्देश निर्गत करें कि वे विभिन्न न्यायालयों से निर्गत सम्मन/नोटिसों का तामीला शत्रुतिशत कराना सुनिश्चित करें, क्यों कि यह तथ्य संज्ञान में आया है कि कतिपय थानों से सम्मन/नोटिसों का तामीला सही ढंग से नहीं कराया जाता है। इस सम्बन्ध में ढिलाई न बरती जाये। माननीय उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ से प्राप्त गाइड- लाइन्स के अनुपालन में विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं/विधिक जागरूकता कार्यक्रमों में प्रशासन एवं अन्य विभागों का सहयोग बनाने तथा ग्रामीण एवं शहरीय क्षेत्रों में कार्यरत पैरालीगल वालंटियर्स को उनके कार्यों में आवश्यक सहयोग देने हेतु उपस्थित क्षेत्राधिकारी पुलिस को निर्देशित किया गया। बैठक में उपस्थित जिले के क्षेत्राधिकारी पुलिस ने पूर्ण सहयोग दिये जाने का आश्वासन दिया। बैठक में पुलिस क्षेत्राधिकारी जालौन श्री शैलेन्द्र वाजपेयी तथा प्रतिनिधि पुलिस क्षेत्राधिकारी कालपी श्री संजय सिंह उपस्थित रहे।



62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा की सीमा चौकी भैसाईनाका का उप महानिरीक्षक द्वारा दौरा, सैनिक सम्मेलन एवं वॉलीबॉल मैच का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच – प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती वी. विक्रमण, उप महानिरीक्षक, क्षेत्रक मुख्यालय सशस्त्र सीमा बल, लखीमपुर खीरी ने निरूपेश कुमार, उप कमांडेंट के साथ 62वीं वाहिनी स.सी. बल भिनगा की सीमा चौकी भैसाईनाका का भ्रमण सम्मेलन का आयोजन भी किया गया जिसमें जवानों से संवाद करते हुए उनका कुशलक्षेम । उन्होंने हाल ही में पहलगाम में हुई घटना सीमा पर अत्यंत सतर्कता बरतने और सुरक्षा निर्देश दिए । नेपाल से आने जाने वाले ही आने जाने दे साथ ही मादक पदार्थों की गतिविधियों को प्रभावी रूप से रोकने के कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया । महोदय व जवानो ने एक दूसरे के साथ अपने तत्पश्चात जवानों के साथ बैठकर रात्रि भोजन सशस्त्र सीमा बल और नेपाल ए.पी.एफ के आयोजन किया गया । खेल के दौरान दोनों टीमों ने उत्कृष्ट खेल कौशल और खेल भावना का प्रदर्शन किया । रोमांचक मुकाबले में एस.एस.बी. की टीम ने नेपाल ए.पी.एफ. को 2-0 से पराजित किया । इस अवसर ने दोनों देशों की सुरक्षा एजेंसियों के बीच सौहार्द्र, विश्वास और आपसी सहयोग को और मजबूत किया । महोदय के द्वारा सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया गया । इस दौरान नेपाल ए.पी.एफ. के अधिकारियों के साथ एक बैठक भी आयोजित की गई, जिसमें सीमा क्षेत्र की सुरक्षा, तस्करी रोकथाम तथा समन्वित गश्त जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया । इस पूर्ण कार्यक्रम के दौरान समवाय प्रभारी निरीक्षक जितेन्द्र शर्मा, नेपाल ए. पी. एफ से उप निरीक्षक बिजेन्द्र राणा व अन्य जवान भी मौजूद रहे ।



संक्षिप्त समाचार

सो रही युवती के बगल में युवक लेट कर अश्लीलता करने लगा , मुकदमा दर्ज , गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच

मऊआइमा (प्रयागराज) मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम चन्द्रावट उर्फ माता दीन का पूरा निवासनीय एक युवती का कहना है कि वह अपने घर के सामने मां से अलग चारपाई पर सोयी थी। आरोप है कि गांव का एक युवक उसके बगल में आकर लेट गया और अश्लील हरकतें करने लगा।शोर मचाने पर जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गया। युवती ने इसकी सूचना रात में ही 112 नम्बर को दी।मौके पर पहुंची पुलिस को युवती ने सारी बात बताई। युवती का आरोप है कि इसके पूर्व वह आते जाते छेड़खानी , अश्लील इशारे करता रहता है। युवती ने मऊआइमा थाने में गांव के उमेश कुमार सरोज पुत्र राजू सरोज के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है। पुलिस आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है।

मऊआइमा में चोरी का सिलसिला बंद नहीं हो रहा है फिर चोरी ,एक सप्ताह में आधा दर्जन चोरी की घटनाओं पर अंकुश नहीं

क्यूँ न लिखूँ सच

मऊआइमा (प्रयागराज) मऊआइमा थाना क्षेत्र में चोरी का सिलसिला बदस्तूर जारी है। कोई दिन ऐसा नहीं गुजरता जिस दिन चोरी की घटनाएं न होती हो। ग्राम सिंसई सिपाह बाजार में स्थित रणविजय सिंह यादव के मिष्ठान की दुकान से पांच टेबल चोरी



कर ले गए। रणविजय सिंह यादव का आरोप है कि वहीं पर सो रहे उनके भाई रंजीत की जब नींद खुली और वह बोला कि कौन है तो उसे तमंचा से मारने की धमकी दी गयी। रणजीत सिंह यादव ने बताया फिर भी पांच टेबल एक टेबल का मूल्य साढे तीन हजार रूपया का था । चोरों की फोटो सीसी कैमरे में कैद हो चुका है।वह थाने में तहरीर दी है। परन्तु अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई है।बताते हैं कि ग्राम छाता निवासी राजेंद्र कुमार यादव की सत्तर हजार की भैंस चोर चुरा ले गए।इसी प्रकार ग्राम पिलखुआं निवासी राजकुमार के दूधबूवेल में सेंधमारी करके पंखा आदि चोर चुरा ले गए ।ग्राम बकराबाद में सचिदानन्द मिश्रा के घर में सीढ़ी लगा कर चोर घर में घुस कर नकदी सहित तीन लाख के सोने चांदी के जेवरात चोरी कर ले गए । ग्राम सराय सुल्तान उर्फ पूरे मखदूम किरांव निवासी सालिक राम के घर में घुस कर सन्दूकों और अटैची तोड कर चोर सोने चांदी के जेवरात नकदी सहित पांच लाख की चोरी करने में सफल रहे । ग्राम पिलखुआं में कम्पोजिट विधालय का ताला तोड कर चोर रसोई गैस, इंबटर्, गेहूँ,चावल खेल सामग्रियों सहित चोरी करने में सफल रहे। आरोप है कि पुलिस तहरीर लेकर मुकदमा नहीं दर्ज करती है।न ही चोरों को पकडती है।चोरी की घटनाओं से क्षेत्र में दहशत व्याप्त है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए 9027776991 knslive@gmail.com

These 5 chutneys will double the taste of food in summer, note down their recipes

In summer, one feels less like eating. That's why we want to eat simple food and not eat food with too much oil and spices. But food with less spices sometimes seems bland. In such a situation, including chutney (Chutney Recipes) with food can be beneficial. Chutney not only enhances the taste of food but it is also good for digestion. Eating chutney in summer is beneficial for digestion. Chutney also helps in enhancing the taste of food. Chutney doubles the taste of even plain food. In summer, one often doesn't feel like eating, but if there is tasty and refreshing chutney (Chutney For Summer) in the plate, then the fun of eating doubles. Chutney not only enhances the taste of food, but also keeps digestion healthy. Today we will tell you about 5 such easy and tasty chutney recipes (Tasty Chutney Recipe), which will make your food even more delicious in summer.

Mint Chutney The coolness of mint gives great relief in summer. This chutney is not only tasty but also improves digestion. **Ingredients-** 1 cup fresh mint leaves ½ cup coriander leaves 2-3 green chillies 1 small piece of ginger 1 tsp cumin seeds 1 tsp lemon juice Salt to taste **Method of preparation-** Put all the ingredients in a blender and grind. If you want a thick chutney, add less water. Add lemon juice and mix and serve cold. This chutney tastes great with samosas, pakoras or dal-rice.

Mango Chutney (Kairi Chutney) Sweet and sour raw mango chutney is very much liked in summer. **Ingredients-** 1 raw mango (grated) ½ cup jaggery or sugar 1 tsp red chili powder ½ tsp cumin powder 1 pinch asafoetida Salt to taste **Method of preparation-** Grate the raw mango and mix it with jaggery or sugar. Now add chili powder, cumin powder, asafoetida and salt and mix well. Eat this chutney with parathas or curd.

Sweet and sour tamarind chutney Tamarind chutney is very refreshing in summers. **Ingredients-** ½ cup tamarind (seed removed) ¼ cup jaggery 1 tsp cumin powder ½ tsp red chili powder 1 pinch black salt **Method of preparation-** Soak tamarind in hot water to make it soft and take out the pulp. Now mix jaggery, cumin powder, chili powder and black salt in it and cook. Serve when it cools down. This chutney tastes great with chaat, dahi-bhalle or pakoras.

Green coriander chutney Coriander leaf chutney is light and tasty, which is very beneficial in summers. **Ingredients-** 1 cup coriander leaves Garlic cloves 1 green chilli 1 tsp lemon juice Salt according to taste **Method of preparation-** Grind all the ingredients in a blender and prepare the chutney. Eat it with curd or roasted papad.

Coconut chutney South Indian coconut chutney is very much liked in summers. **Ingredients-** 1 cup grated coconut ½ cup curd 1 green chilli ½ tsp cumin seeds Few curry leaves Salt to taste **Method-** Grind coconut, curd, green chilli and cumin seeds. Heat oil in a small pan, add curry leaves and apply the tempering on the chutney. This chutney tastes great with dosa, idli or rice.



Do you know about Weekend Marriage? Such couples enjoy single life even after being married

On hearing the name of marriage, only one image comes to mind - living every day with each other and sharing every small and big thing of life, but in today's fast-paced life, there are some couples who are adopting a new path different from this traditional thinking. Yes, we are talking about Weekend Marriage, where there is love as well as space. Today, the trend of Weekend Marriage is increasing in many countries around the world. There are many reasons behind couples adopting this kind of arrangement. Such couples do not compromise on their freedom even after marriage. Imagine, drinking morning tea alone, being completely immersed in your career or hobbies on weekdays and then spending quality time with your partner on weekends! It sounds a bit filmy to read, right? But this is the reality of those couples who are enjoying single life even after being married. This is called 'Weekend Marriage', a trend that is slowly becoming common in many metro cities around the world. Obviously, this trend is completely different from the structure of traditional marriage, where there are no daily fights, nor everyday responsibilities. Just some special days of the week, where along with love, the partner's space is also taken care of (Weekend Marriage Benefits). Let's know the thinking behind this unique relationship, its advantages and disadvantages and why some people are moving towards adopting it with an open heart (What Is Weekend Marriage). Why are some couples choosing Weekend Marriage? **Career priority:** In today's time, both men and women are serious about their career. Sometimes it is not possible to get a job in the same city, and then they choose this model. **Need for personal space:** Some people believe that a little distance is also necessary for a happy marriage. Spending time together on weekends and living your life the rest of the time - this keeps them in balance. **Less fights, more love:** When less time is spent together, there are also less fights. Every meeting becomes special, and the relationship remains fresh. **Maintaining one's own identity:** Some people want to maintain their independence even after marriage. In this model, they maintain their identity and space. **Enjoying single life with the companionship of marriage** Through weekend marriage, couples feel that they are able to live their 'single' life even though they are married. They can meet friends, fulfill their hobbies and be happy even without the 'partner's presence all the time'. Is this model right for everyone? Every relationship is different and it is not necessary that weekend marriage works for everyone. This relationship is based on trust, understanding and emotional maturity. If there is no trust between the couples, then distance can also bring sourness in the relationship. **Disadvantages of weekend marriage** Emotional distance can increase. There can be difficulty in raising children. You can feel lonely. You may have to face family and social pressure. Weekend marriages are not a common trend, but it shows that the ways of managing relationships are changing. Every couple should choose a path after understanding the needs and priorities of their relationship. Love, respect and trust - whether you are together every day or only on weekends, this is the real foundation of any relationship.



5 Ayurvedic Rituals will calm the turmoil going on in the mind, you will get a happy and tension-free life

Today's lifestyle is such that the mind becomes restless over small things and the mind keeps churning thoughts continuously. If you are also troubled by this mental turmoil, then Ayurveda can help you. Some easy and effective rituals of Ayurveda not only give peace to the mind (Stress Relief) but life can also become happy and stress-free. Everyone is struggling with stress and mental confusion these days. Some Ayurvedic Rituals can provide relief from this to a great extent. By implementing these tips in life, you can say goodbye to tension. In today's busy life, mental stress and restlessness have become a common problem. Being stuck in some worry or vortex of thoughts every day (Mental Clutter) takes away our peace. In such a situation, Ayurveda, which is a thousands of years old Indian medical system, teaches us some simple remedies that can calm the mental turmoil and bring peace in life again. Let's know about 5 such Ayurvedic Rituals that will give you a happy and tension-free life.

Dinacharya (Dinacharya) Dinacharya, that is, the right daily routine, is the first step to keep our life balanced. According to Ayurveda, getting up early in the morning, washing the face with fresh water, meditating, eating at the right time and sleeping early - all these habits make the mind stable and calm. When our body and mind follow a regular routine, unnecessary stress automatically reduces. **How to start?** Get up before sunrise in the morning. Start the day with lukewarm water. Do the day's work according to a balanced timetable. Keep a fixed time for sleep at night. **Yoga and Exercise** Practicing yoga and low intensity exercise daily is the most natural way to reduce mental turmoil. **Yogasana and Pranayama** calm the nervous system, reduce stress hormones and bring positivity in the mind. **Benefits of joining yoga** Mental balance is established. Sleep improves. Focus and concentration increases. **Easy yogasanas for beginners:** Sukhasana, Balasana, Shavasana and Bhramari **Pranayama** Tongue Scraping Cleaning the tongue may sound like a small task, but it has great importance in Ayurveda. Toxins deposited on the tongue not only spoil physical health, but also cause mental fatigue and restlessness. Cleaning the tongue with a copper or steel scraper after waking up in the morning not only cleans the mouth, but also makes the mind feel light. **How to clean the tongue?** Use a copper, steel or silver scraper. Clean the tongue from inside to outside with light hands. Do not forget to rinse after cleaning. **Meditation and Pranayama** When the mind wanders too much and there is a fair of thoughts, then meditation and pranayama work like a boon. Just 10-15 minutes of regular meditation can fill you with amazing peace. **Pranayama** controls breathing and slows down the turmoil of the mind. **How to do meditation and pranayama?** Sit in a quiet place. Close your eyes and take a deep breath. Focus on breathing. Start with 5 minutes in the beginning and gradually increase the time. **Pranayamas** like Bhramari, Anulom-Vilom are especially beneficial. **Abhyanga** Abhyanga, that is, massaging the body with oil, is considered very special in Ayurveda. It not only removes the fatigue of the body, but also removes the anxiety and restlessness of the mind. **Massaging** daily with warm sesame or coconut oil with light hands improves blood circulation and gives deep peace to the mind. **How to do Abhyanga?** Massage your head and body with warm oil before taking a bath. Use sesame oil, coconut oil or Ayurvedic herbal oil. Massage in light circular motions and take a bath with lukewarm water after 20-30 minutes.

'... then Kajol would have been the heroine of Tanvi The Great', in response to the question, Anupam Kher said- she looks good

While talking about the trailer launch of his directed film Tanvi The Great, Anupam Kher also mentioned film actress Kajol. Anupam Kher told how Kajol agreed to support his film on just one phone call. Anupam Kher said what all did she say about Kajol? In the film industry, people do films for each other or do guest roles in films without taking money due to friendship. At the same time, there are some friends who come to support them on one phone call. Actress Kajol did something similar for actor Anupam Kher. On Monday, at the trailer launch of Anupam Kher directed film 'Tanvi The Great' in Mumbai, Anupam said that he had to call Kajol only once and she said yes to support the film. Why did he call Kajol? When the anchor asked why did you call Kajol? Kajol said because she looks the best. Anupam said yes she looks good but she is a relevant person and performer as per today's times. Would Kajol play the role of Tanvi? Anupam Kher further said, "I knew she would say yes. If I had made the film 'Tanvi the Great' a few years ago, I would have cast Kajol in the role of Tanvi. Anupam has given a chance to newcomer Shubhangi Dutt through this film. The world premiere of the film will be held at the Cannes Film Festival."



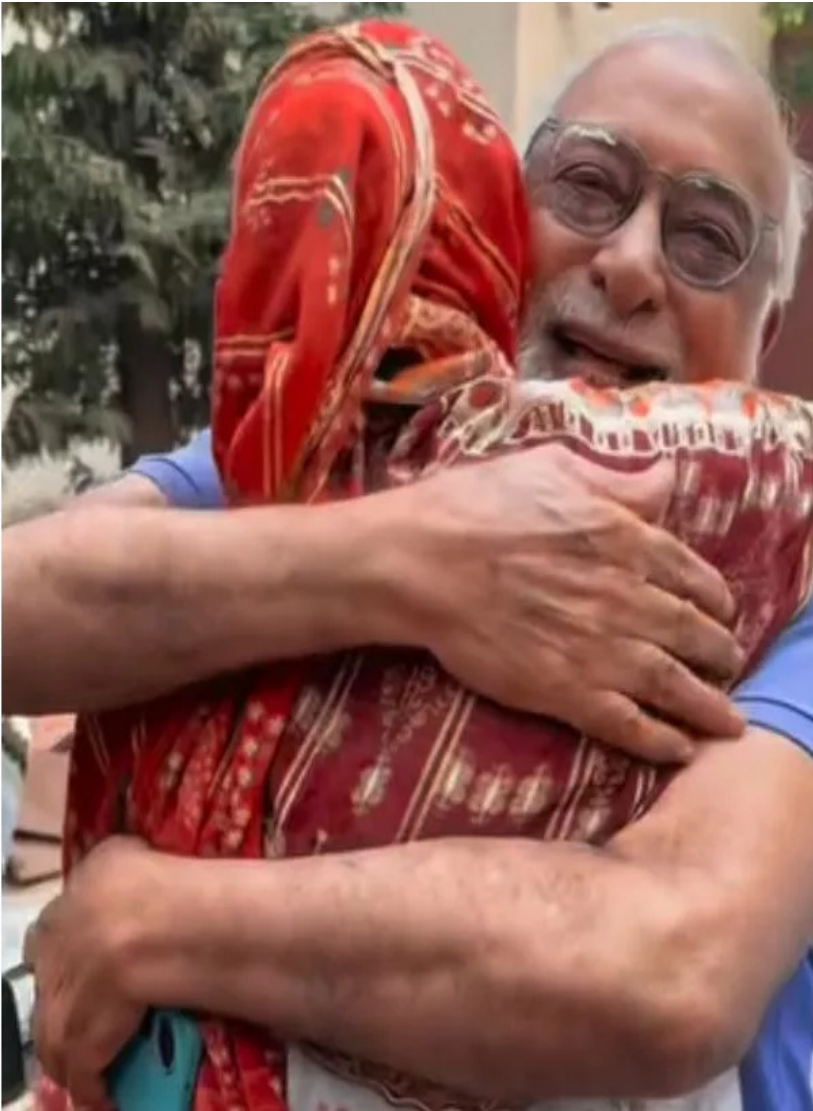
Maid committed theft at Neha Malik's house? Jewelry worth Rs 34 lakhs goes missing, case registered at police station

A case of theft of jewelry worth Rs 34 lakhs has come to light from the house of actress and model Neha Malik. The actress's mother suspects that this theft has been committed by one of her maids who has been absconding since yesterday. The actress lodged a complaint in the Mumbai police station after which the woman working in her house was arrested. Theft at TV actress Neha Malik's house, maid disappeared with jewelry worth Rs 34 lakhs? Police arrested her after FIR was registered. A case of theft of jewelry worth Rs 34 lakhs has come to light from the house of actress Neha Malik, who appeared in films like Gandhi Phir Aa Gaye, Musafir and Pinky Moge Wali 2. After such a big theft in the house, the actress's mother has lodged an FIR against her caretaker at the Amboli police station in Oshiwara, Mumbai and has expressed suspicion that the maid working in her house has committed this. What is this whole matter, how did the theft happen, let's know in detail: She had left the house trusting the maid and went to the Gurudwara. According to a Hindustan Times report, the police said in a statement, "Neha Malik's mother Manju Malik had filed a complaint against her maid on Sunday. She told in her complaint that when her employee came home on Friday, the actress's mother Manju went to a nearby Gurudwara to pay obeisance trusting her. However, when Sheikh did not come to work the next day, Manju tried to call her several times, but her maid did not pick up the phone". According to reports, when the maid did not pick up the phone even after calling several times, Neha Malik's mother checked her cupboard and found out that her jewelry worth Rs 34 lakh was missing from the house. She also told the police that when she did not find the jewelry even after searching the whole house, she suspected that Sheikh had committed the theft, after which she immediately complained to the police. Did the police arrest the maid? The police said that they have registered a case, but at the same time they have also taken out the CCTV footage of the building so that they can know whether Shaikh has taken any bag or not. The report also claims that Shahnaz Shaikh, who took 9000 rupees in advance and left the house after stealing, has been arrested by the police from JB Nagar in Mumbai, she used to live in the same area. At present, no official statement has been issued by Neha or her mother in the case of jewelry theft.



Ajaz Khan's wife released from jail after six months, Fallon Guliwala was caught in a drugs case

Bigg Boss ex-contestant Ajaz Khan, who appeared in Salman Khan's controversial show, and controversy go hand in hand. In the year 2021, Ajaz Khan was arrested by the NCB in a drugs case. The actor was released after 26 months. A similar drugs case was also against his wife, due to which she was in jail for six months. Ajaz Khan's wife released from jail after being imprisoned for six months 130 grams of marijuana was recovered from Ajaz Khan's house Ajaz Khan shared a video on social media On October 8 last year, an employee working in Ajaz Khan's office was arrested by the Customs Official, in which it was revealed that the man had ordered 100 grams of marijuana from abroad through courier service. Allegedly, during the investigation, the name of Ejaz Khan's foreign wife Fallon Gulivala also came up in this case, after which she was arrested. Fallon, who was caught in a drug case, was jailed for six months. She was kept in Mumbai's Byculla jail. After completing the six-month sentence, Ejaz Khan's wife has been released from jail, the information of which was shared by the ex-contestant of Bigg Boss himself on his official Instagram account. The beginning of a new chapter after the storm - Ejaz Khan According to a news from our partner website Mid Day, Ejaz Khan's wife was arrested in November last year. Actually, last year, the Customs Officer raided the actor's house in Jogeshwari, where 130 grams of marijuana was allegedly recovered from his house. Now six months later, on April 28, Ejaz Khan reached Byculla jail along with his son and family to bring his wife home after her release, where he posted the video on Instagram. In this video, Ejaz Khan is seen hugging his wife as soon as she comes out. Only after this, Fallon looks happy after meeting her parents and son. Sharing this video, Ejaz Khan wrote in the caption, "After a heavy storm, today we are starting a new chapter of life. Welcome my love, we are always stronger together". This is the worst thing in life that a mother goes through. After coming out of jail, Ejaz's wife told



about those terrible nights which she spent in jail during a conversation with Tele Masala. Fallon said, "I am feeling very bad. I have got a very supportive husband, who has stood with me day and night. I am in a lot of pain". Apart from this, she expressed the pain of being away from her son for six months and said, "This is the worst thing in life for any mother, where she has to stay away from her children". Before Fallon, Ejaz Khan had also called the raid at home in the drugs case 'fake'.